Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to regularize the services of guest teachers engaged in Haryana and other parts of the country

श्री दुऐयंत चौटाला (हिसार) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके समक्ष महत्वपूर्ण विऐाय के बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हम शिक्षक को गुरु बोलते हैं लेकिन सरकार ने इनको गैस्ट बनाने का काम किया है।

माननीय अध्यक्ष : यह स्टेट मैटर है।

श्री दुऐयंत चौटाला: देश में इन्हें अलग-अलग प्रदेशों में अलग नाम से जाना जाता है, राजस्थान में शिक्षा मित्र के नाम से जाना जाता है।

कई ऐसे प्रांत हैं, जहां गेस्ट टीचर्स की संख्या रेगुलर टीचर्स से ज्यादा हो चुकी है। आज रेगुलर टीचर का पे स्केल 45 हजार रुपये से ऊपर है, जबकि गेस्ट टीचर को एडहॉक बेस पर 18 हजार रुपये से लेकर 21 हजार रुपये के बीच में दिये जाते हैं।

अध्यक्ष महोदया, आज केद्र सरकार को एक पालिसी बनानी चाहिए, जिसके तहत जो टीचर स्कूल में पांच साल से गेस्ट टीचर के रूप में काम करे, उसे रेगुलराइज करने का काम किया जाये। आज हम टीचर्स को रेगुलराइज नहीं कर पा रहे, जिसका नतीजा यह है कि पूरे देश में सरकारी स्कूलों के आउटपुट में गिरावट आयी है। आज हरियाणा प्रदेश में 30 ऐसे स्कूल्स हैं, जहां जीरो परसेंट रिजल्ट आया है। आज अधिकतम स्कूल्स ऐसे हैं, जहां पर टीचर्स शिक्षा इसलिए नहीं दे पा रहे, क्योंकि उन्हें यह श्योरिटी नहीं है कि कल उन्हें सरकार रखने का काम करेगी या निकालने का करेगी। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, समझ में आ गया।

...(व्यवधान)

श्री दुऐयंत चौटाला: अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एचआरडी मिनिस्टर से मांग करना चाहता हूं कि पूरे देश में जितने भी गेस्ट टीचर्स पांच साल से ज्यादा हैं, वहां केद्र सरकार एक रेगुलराइज पालिसी बनाकर उन्हें सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से रेगुलराइज करने का काम करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुमेधानंद सरस्वती और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री दुऐयंत चौटाला द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।